Q3. अनुकूलतम जनसंख्या की व्याख्या करें।

→ साधारणतः हम कह सकते हैं कि किसी स्थान में निवास करने वाली जनसंख्या की वह मात्रा जो उस क्षेत्र के संसाधनों के समुचित प्रयोग द्वारा अधिकतम मानव कल्याण कर सके अनुकूलतम या आदर्श जनसंख्या कहलाती है। यहाँ पर मानव कल्याण का आशय मानव की आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक व राजनीतिक सभी प्रकार की उन्नति से है। इस प्रकार किसी देश में उपलब्ध साधनों के अनुकूल आदर्श जनसंख्या को ही अनुकूलतम जनसंख्या कहा जाता है।

optimum population के सिद्धान्त का प्रतिपादन सर्वप्रथम कैनन ने किया। इनके अनुसार, "किसी देश

Scanned with CamScanner

में एक समय में ऐसी जनसंख्या निवास करती है जो उस देश के प्राकृतिक संसाधनों के पर्याप्त शोषण के लिए अनुकूल होती है। इसी जनसंख्या को अनुकूलतम जनसंख्या कहा जाता है" दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि, "जहाँ जनसंख्या और संसाधन दोनों एक दूसरे के लिए भार नहीं हो बल्कि आपस में संतुलित हों वही आदर्श या अनुकूलतम जनसंख्या का क्षेत्र होता है।"

किसी भी देश के लिए अनुकूलतम जनसंख्या की मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकती है। क्योंकि इसका निर्धारण जनसंख्या व संसाधन के अन्तर्सम्बंधों के अध्ययन पर निर्भर है। यदि किसी देश की जनसंख्या अनुकूलतम बिन्दु से कम है तो वहाँ न्यून जनसंख्या (Under population) होगी। जैसे कुवैत में, वहाँ के उपलब्ध खनिज संसाधनों (तेल) की तुलना में जनसंख्या अत्यंत कम है फलतः देश का पूरा विकास नहीं हो पाया है। इसके विपरित यदि किसी देश की जनसंख्या इस अनुकूलतम बिन्दु से अधिक है तो उस देश में जनाधिक्य (over population) होगा। जैसे - मकाउ में यहाँ प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या 6000 व्यक्ति से भी ज्यादा है फलतः लोग जीवन की मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित है। जनसंख्या व संसाधन से सम्बंधित इन तीनों स्थितियों को निम्न चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है —

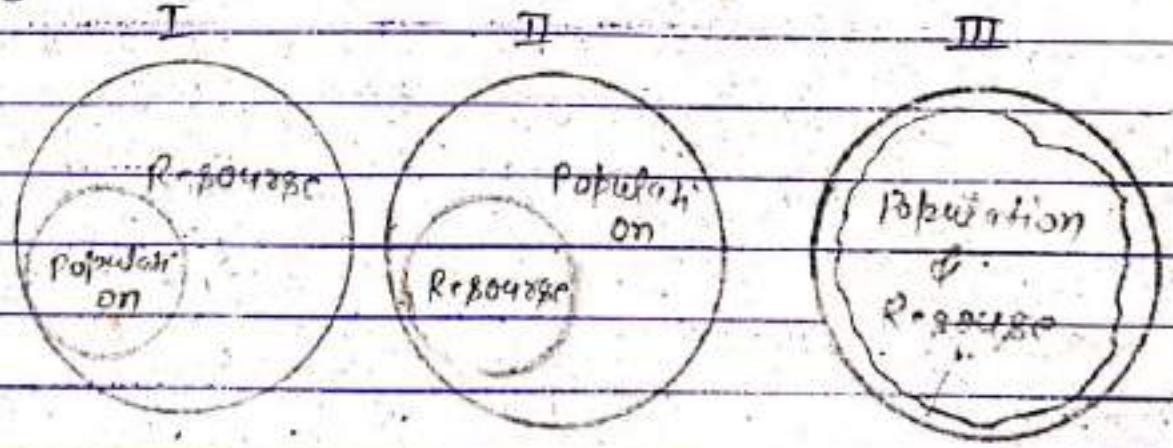

Under population over population optimum population

RELATION BETWEEN POPULATION & RESOURCES

Scanned with CamScanner

इसी संदर्भ में CARL SOULDERS ने अपनी पुस्तक WORLD POULATION में कहा है कि, "यदि वास्तविक जनसंख्या OPTIMUM POPULATION से अधिक है तो OVER POPULATION है और यदि कम है तो UNDER POPULATION है, दोनों ही दशाओं में प्रतिव्यक्ति वास्तविक आय उससे कम होगी जितनी OPTIMUM POPULATION के होने पर होती।" दक्षिण-पूर्वि एशिया के अधिकांश देशों में OVER POPULATION की समस्या है।

डॉ. डॉल्टन ने इस सम्बंध में कहा कि, "WHICH POPULATION GIVES US MAXIMUM PER MAN INCOME THAT IS CALLED OPTIMUM POPULATION." आदर्श जनसंख्या के लिए इन्होंने एक सिद्धान्त भी प्रस्तुत किया है। जिसका विवरण निम्नलिखित है—

$$m = \frac{A-O}{O}$$

Here
A - ACTUAL POPULATION
O - OPTIMUM POPULATION
m - MALADJUSTMENT

यदि m शून्य है तो प्रदेश की जनसंख्या अनुकूलतम है, यदि वह शून्य से अधिक है तो अर्थात धनात्मक (+) है तो वहाँ OVER POPULATION है और यदि m शून्य से कम है अर्थात ऋणात्मक (-) तो वहाँ UNDER POPULATION है।

परन्तु व्यवहारिक जीवन में डाल्टन के इस सूत्र का कोई महत्व नहीं है इसका मुख्य कारण यह है कि O का अनुमान लगाना अत्यंत ही कठिन है क्योंकि यह स्थिर नहीं रहता है। यह संसाधनों के उपयोग की ECONOMICAL और TECHANICAL CONDITION

Scanned with CamScanner

पर निर्भर करता है। इसमें परिवर्तन होने से अनुकूलतम बिन्दु का स्थान बदल जाता है। जैसे यदि किसी OVER POPULATION के प्रदेश में हरित क्रांति जैसी घटना द्वारा खाद्यान उत्पादन में भारी वृद्धि हो जाए तो उस प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि के बावजूद अधिक आर्थिक कल्याण हो सकता है। उदाहरणार्थ साइबेरीया के कोयला, लोह क्षेत्रों व टैगा वनों में श्रमिकों की संख्या बढ़ने और जनसंख्या में वृद्धि होने से वहाँ के आर्थिक उत्पादन में वृद्धि हुई है। अनुकूलतम जनसंख्या की विचारधारा की व्याख्या करना व इसको सही-सही परिभाषित करना अत्यंत दुष्कर कार्य है, लेकिन इसको स्थैतिक मान लेना भी ठीक नहीं है। उदाहरणार्थ 1950 ई० में सहारा में तेल के उत्पादन से आय में वृद्धि हुई और इस कारण सम्पूर्ण क्षेत्र की OPTIMUM POPULATION की सीमा बढ़ गई। अतः अब OPTIMUM POPULATION को सम्पूर्ण राष्ट्र के उत्पादन से जोड़ा जाता है।

यूरोप तथा USA में CONCEPT OF OPTIMUM POPULATION अन्तर्युद्ध काल में अधिक प्रचलित हुई। लेकिन साम्यवादी लेखकों ने इसकी आलोचना की, फिर भी OPTIMUM POPULATION को सिर्फ आर्थिक संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। इसके सामाजिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक पहलुओं को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। किसी भी देश में संसाधनों का शोषण इस तरह हो जिससे कि मिट्टी व जैविक क्षेत्र में कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इस तरह प्रत्येक देश के लिए जनसंख्या का एक ऐसा स्तर होता है जहाँ पहुँचकर सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारकों को भी महत्व देना आवश्यक हो जाता है।

अतः इस संदर्भ में टेलर का यह कथन सही प्रतित होता है कि, " THE OPTIMUM POULATION OF A COUNTRY

Scanned with CamScanner